

भारत

एनालिसिस

चांदी की कीमत काफी बढ़ चुकी, अब यह ट्रेंड पलटने के संकेत: विश्लेषक

गोल्ड-सिल्वर रेशियो 62 पर...मतलब अब चांदी के मुकाबले सोने के दाम ज्यादा बढ़ेंगे

भारत न्यूज | मुंबई

इस साल मार्च से लेकर मई के बीच 89 के ऊंचे स्तर से 55 तक आ गया था गोल्ड-सिल्वर रेशियो

गोल्ड-सिल्वर रेशियो मंगलवार को 62 पर पहुंच गया। यानी 1 किलो सोना खरीदने के लिए 62 किलो चांदी की जरूरत होगी। टाटा म्यूचुअल फंड को लगता है कि यह जल्द 68 तक जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि निकट भविष्य में सोने की कीमत चांदी के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ सकती है। यह अनुपात कम रहना इस बात का संकेत होता है कि चांदी की कीमतें काफी बढ़ चुकी और उसने सोने को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन अब यह ट्रेंड पलटता नजर आ रहा है। टाटा म्यूचुअल फंड को एक रिपोर्ट के मुताबिक, छोटी अवधि में भू-राजनैतिक तनाव से सोना मजबूत रहेगा। हालांकि औद्योगिक मांग और सप्लाय की कमी से चांदी लंबी अवधि में निवेशकों को फायदा दे सकती है। मई के आखिर में गोल्ड-सिल्वर रेशियो 55-60 के दायरे में आ गया था। उसके बाद यह बढ़ने लगा है। यानी सोने की कीमत चांदी की तुलना में ज्यादा बढ़ने लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि डॉलर में मजबूती और ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता से थोड़े समय के लिए दबाव भी बन सकता है। लेकिन केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी सोने को मजबूती दे रही है।

जनवरी में 14 साल के निचले स्तर पर था बुलियन रेशियो

अवधि	रेशियो
जनवरी की शुरुआत	57
29 जनवरी	50
फरवरी-मार्च	89
17 मार्च	63
मई के आखिर तक	55
16 जून	62

स्रोत: गोल्डसिल्वर डॉट कॉम और टाटा म्यूचुअल फंड

- इस साल 29 जनवरी को गोल्ड-सिल्वर रेशियो 14 साल के निचले स्तर करीब 50 पर आ गया था।
- इसके बाद फरवरी-मार्च में करेक्शन का पीक आया और गोल्ड सिल्वर रेशियो 85-89 के रेंज में रहा।

सोने में तेजी के आसार इन ठोस वजहों से...

10 साल में सोने की खरीद दोगुनी की दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने, आरबीआई इरम शामिल

आक्रामक खरीदारी

दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने बीते 10 साल में सोने की करीब दोगुनी खरीदारी की। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2024 में 72.6 टन सोना खरीदकर दुनिया का दूसरा बड़ा खरीदार बना।

डॉलर से दूरी की रणनीति

2022 में रूस के करीब 300 अरब डॉलर (मौजूदा विनिमय दर पर करीब ₹28 लाख करोड़) के विदेशी मुद्रा भंडार जब्त होने के बाद चीन, रूस, भारत जैसे देशों ने डॉलर से दूरी और सोने से नजदीकी बढ़ाई।

सोने का आयात महंगा कमजोर रुपए का असर

सरकार ने सोने पर आयात शुल्क 6% से 15% कर दिया। इससे सोने की आयात लागत 9% बढ़ गई। कीमतों पर इसका सीधा असर देखा जा रहा है। इस बीच रुपए की विनिमय दर 95 प्रति डॉलर से ऊपर निकलने से डॉलर में खरीदे गए सोने की कीमत रुपए में ज्यादा हो गई।

गोल्ड एक्सचेंज 75% तक पुराना सोना बेचकर नए गहने खरीदने का चलन

महंगे होते सोने के बीच भारतीयों ने खरीदारी का तरीका बदल दिया है। मुंबई और चेन्नई में पुराने सोने के बदले नए गहने खरीदने का ट्रेंड देखा जा रहा है। इन बाजारों में 75% कारोबार अब गोल्ड एक्सचेंज से आ रहे हैं, जो पहले 60% थे। सोने के सिक्कों और बार की मांग लगभग ठप पड़ गई है। इसका असर भी दिखाई मई में भारत का सोना आयात 64.6% घटकर 3.42 अरब डॉलर रह गया, जो अप्रैल में 5.63 अरब डॉलर था।

रिजर्व में हिस्सेदारी दोगुनी

भारत का सोना भंडार 2025 तक करीब 880 टन तक पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी जुलाई 2024 के 8.4% से बढ़कर जनवरी 2026 में 16.2% हो गई।

सोने की कीमत में 44%, चांदी में 20% तक उछाल का अनुमान

वेल्स फार्गो: इस अमेरिकी बैंकिंग व फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप ने सोने की कीमत का लक्ष्य बढ़ाकर 6,100-6,300 डॉलर कर दिया। मंगलवार को यह 4,365 डॉलर प्रति औंस तक गया। यह सोने में 44% उछाल का अनुमान दर्शाता है।

जेपी मॉर्गन: सोने के लिए 6,300 डॉलर का लक्ष्य करीब 800 टन केंद्रीय बैंक खरीद के अनुमान पर आधारित है। चांदी के लिए 2026 में औसतन 81 डॉलर और चौथी तिमाही में 85 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान दिया है। यानी चांदी में 20% तक तेजी आ सकती है।

वैलेन्टाइन: 2026 में चांदी में सालभर की उठापटक सोने के मुकाबले दोगुने से ज्यादा रही है। चांदी कीमतें जहां ऊंचे स्तर से 106% नीचे आईं, वहीं सोने में यह उतार-चढ़ाव 46% रहा। यही चीज चांदी को हाई-रिस्क हाई-रिवॉइड एसेट बनाती है।

Display: 2/2